**राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान**
**माध्यमिक पाठ्यक्रम : हिंदुस्तानी संगीत**
**पाठ 8 : संगीत पारिजात में निहित विषय-सामग्री का संक्षिप्त अध्ययन**
**कार्यपत्रक - 8**

1. 'पं.अहोबल कृत ग्रंथ संगीत रत्नाकर ने वर्तमान हिंदुस्तानी संगीत को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है'। इस कथन का औचित्य अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिये ।

2. आधुनिक हिंदुस्तानी संगीत पद्धति के अनुसार संगीत पारिजात के शुद्ध सप्तक की पहचान कीजिये।

3. स्वर और श्रुति के मध्य संगीत पारिजात के अनुसार अंतर स्पष्ट कीजिये ।

4. 'पं.अहोबल का स्वर विवेचन आधुनिक संदर्भ में महत्त्वपूर्ण है'। उपरयुक्त वाक्य की अपने शब्दों में व्याख्या कीजिये ।

5. संगीत पारिजात में दो भाग हैं। उस भाग की पहचान कीजिये जिसमें वाद्यों और ताल के विषय में वर्णन है।

6. संगीत पारिजात में दिये गये प्रबंध के वर्णन की व्याख्या कीजिये ।

7. संगीत पारिजात में वर्णित रागों की संख्या लिखिए ।

8. 1724ई. में संगीत पारिजात का जिस भाषा में अनुवाद हुआ उसकी पहचान कीजिये ।

9. संगीत पारिजात में वर्णित क्रियात्मक प्रक्रिया का उल्लेख कीजिये जिसके माध्यम से स्वरों की आंदोलन संख्या की संगणना के लिये मापदंड स्थापित किये जा सके।

10. संगीत पारिजात में दिये गये मूर्च्छना के वर्णन की व्याख्या कीजिये ।